Class- B.Com I
Subject - B.M.C
Paper - I (S)
Topic - Controlling
Lecture - 25
By Dr C P Sahu
Marwari College Dar

Date ______
Page ______

Control नियंत्रण

(1)

साधारण बोलचाल की भाषा में, नियंत्रण अर्थ विभिन्न क्रियाओं पर प्रतिबन्ध लगाने से है। प्रबन्धकीय क्षेत्र में नियंत्रण शब्द का प्रयोग "योजनाओं के अनुसार कार्यों का सम्पादन करवाने" के रूप में लगाया जाता है। प्रबन्ध के सभी कार्यों की सफलता प्रभावशाली नियंत्रण पर ही निर्भर करती है। योजनाओं सम्पादन सही तरीकों से, सही साधनों के द्वारा तथा सही समय पर हो रहा है या नहीं, इसे नियंत्रण द्वारा ही पता लगाया जाता है।

केवल योजनाएँ बना देना, उद्देश्य तथा नीतियाँ निर्धारित कर देना, व्यक्तियों के कार्य, अधिकार एवं दायित्वों का बँटवारा कर देना, नियंत्रण नहीं है बल्कि नियंत्रण के अन्तर्गत योजनाओं, उद्देश्यों एवं नीतियों की प्रगति की समीक्षा की जाती है तथा किसी भी गड़बड़ी को देखकर उसे सुधार करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाती है।

नियंत्रण की परिभाषा :-

फायोल के अनुसार :- "नियंत्रण का कार्य योजना के अनुरूप क्रियाओं को निर्देशित करना होता है।"

एन्थोनी के अनुसार - "नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जो प्रबन्धकों को इस बात की आश्वासन दिलाती है कि संगठन के लक्ष्यों के प्राप्ति के लिए साधनों की उपलब्धि एवं उपयोग, प्रभावशाली रूप में कुशलता से किया जा रहा है।"

टेरी के अनुसार - "नियंत्रण से आशय यह निर्धारित करना है कि क्या किया जा रहा है अर्थात कार्यों का मूल्यांकन करना तथा यदि आवश्यक हो तो उनमें सुधारात्मक उपाय करना ताकि कार्य निष्पादन योजना के अनुसार हो सके।"

Scanned with CamScanner

इम्पोज के शब्दों में - प्रबन्धकीय नियंत्रण का तात्पर्य घटनाओं को योजनाओं के अनुरूप बाध्य करने का प्रयास है।

इस प्रकार उपर्युक्त परिभाषाओं के अनुसार हम कह सकते हैं कि - नियंत्रण प्रबंध प्रक्रिया का वह अंग है जो वास्तविक निष्पादन की निर्धारित प्रमापों से तुलना करता है तथा इनमें पाये गये गड़बड़ी को दूर करने के लिए आवश्यक उपाय किये जाये जिससे भविष्य में पुनरावृत्ति न हो। और निर्धारित उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए योजनाओं के अनुरूप निर्देशित किया जा सके।

नियंत्रण के विशेषताएँ - ① नियंत्रण एक सतत् प्रक्रिया है
② नियंत्रण एक समन्वित एकीकृत पद्धति है।
③ आगे देखने वाला कार्य है ④ लक्ष्यों तथा प्रमापों का योग
⑤ नियंत्रण का आधार नियोजन है।

नियंत्रण के उद्देश्य -

Scanned with CamScanner

नियंत्रण के उद्देश्य :-

3

(1) कर्मचारियों को अभिप्रेरित करना तथा मनोबल बनाए रखना
(2) संस्था के उद्देश्यों, साधनों तथा प्रयासों में समन्वय
(3) क्रियाओं को निर्देशित करना
(4) अपव्यय को रोकना तथा लागत कम करना
(5) मशीनों एवं औजारों (कम्प्यूटर) का अधिकतम प्रयोग
(6) साधनों का सही व संतुलित प्रयोग
(7) निष्पादन कार्य की किस्म, लागत तथा समय सीमा में जानकारी (8) त्रुटि की पुनरावृत्ति को रोकना
(9) अव्यवस्था तथा अराजकता को समाप्त करना
(10) विकेन्द्रीकरण को सफल बनाना

इस प्रकार मुख्य उद्देश्य भौतिक तथा मानवीय साधनों का समुचित प्रयोग करना तथा लागत कम करके कर्मचारी के कार्य क्षमता को बढ़ाना।

नियंत्रण के महत्व या उपयोगिता :-

नियंत्रण प्रबन्ध की आत्मा है। यह प्रबन्ध के सभी कार्यों में विद्यमान है। व्यावसायिक प्रबन्ध का

प्रभावी नियोजन और कुशल संगठन, निर्देशन, पर्यवेक्षण, समन्वय और नेतृत्व नियंत्रण के अन्तर्गत आता है। इस तरह व्यवसाय के लक्ष्य की प्राप्ति नियंत्रण का ही परिणाम है। इनके महत्वों को निम्न बातों से स्पष्ट कर सकते हैं—

(1) नियंत्रण अभिप्रेरणा दायक है - कुशल कर्मचारियों की प्रशंसा करके उन्हें अभिप्रेरित किया जाता है तथा अकुशल कर्मचारियों को दण्ड देकर उसे कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए अभिप्रेरित किया जाता है।

(2) समन्वय स्थापित करने में सहायता - निर्धारित उद्देश्यों व प्रमापों की सहायता से नियंत्रण संगठन को एक समन्वित रूप में कार्य करते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर करता है।

(3) मनोबल को बढ़ाना - नियंत्रण नहीं होने पर कर्मचारियों का बल कमजोर होता है इसलिए नियंत्रण कर्मचारी के मनोबल को बढ़ाते रहता है।

(4) विकेन्द्रीकरण में सहायता - आधुनिक प्रणाली ने प्रबन्धकों को बिना नियंत्रण खोये हुए विकेन्द्रीकरण की सीमा को बढ़ाने में सहायता प्रदान करती है।

Scanned with CamScanner

(5) **भावी योजनाओं का मार्ग दर्शन** - योजनाओं के लागू करने से प्राप्त अनुभवों व परिणामों का विवरण रखता है जिससे भविष्य में योजनाओं व क्रियाओं का मार्ग दर्शन करता है।

(6) **अन्य क्षेत्रों में महत्व** -

(i) निर्यंत्रण लागत में कमी लाता है।

(ii) नियंत्रण जोखिम से सुरक्षा प्रदान करने का बीमासाधन है।

(iii) व्यापार में बढ़ते हुए आकार तथा इसमें आई कठिनाई ने भी नियंत्रण के महत्व को बढ़ा दिया है।

(iv) नियंत्रण संस्था द्वारा बनायी गयी तथा बेची गयी वस्तुओं और सेवाओं की किस्म को प्रभावित करता है।

— X —

Scanned with CamScanner